

28/3/24

पतावली पेवा हुई। अधि जायों मय जायोंगण अनुपास्फित ।
रुक-रुक कर तीन बार आवापे दिवसर्षि गई। समय सोपे SPm
हो-पुजा है। कता अधिवमल जायों मय जायों के अनुपास्फित
रहने पर जायों का जायोंग-पत्र अदम मसरी। अदम पंखी ने
रबारिप किता पातातें। पतावली मँसल सुमार सोमर नखर
से बन हो।

विठ्ठल सुले इजमाल सुगामागता ।

